वर्तमान परिवेश में राष्ट्रीयता आवश्यकता एवं चुनौतियाँ

स्मारिका

राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी
23,24 दिसम्बर 2017

सबसे पहले भारत

आयोजक

प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व अध्ययन शाला
पं. रविशंकर विश्वविद्यालय, रायपुर
एवं
सरस्वती शिक्षा संस्थान, छत्तीसगढ़ प्रांत, रायपुर

कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्व विद्यालय, रायपुर
इंदिरा कला एवं संगीत विश्व विद्यालय, खैरागढ़
छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्व विद्यालय, दुर्ग

प्रतिष्ठा में ....

....

....

प्रेषक :

आयोजन समिति

प्रो. दिनेश नन्दिनी परिहार
अध्यक्ष, प्राचीन भारतीय इतिहास,संस्कृति एवं
पुरातत्व अध्ययनशाला
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर
मो. 9479207898
संयोजक

डॉ. सुभाष चन्द्राकर
प्राध्यापक, दुर्गा महाविद्यालय रायपुर
मो.9826382872
सह- संयोजक

डॉ. लुकेश्वर सिंह गजपाल
सह-प्राध्यापक, समाजशास्त्र अध्ययनशाला
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर
मो.9826197413
सह- संयोजक

डॉ. (श्रीमती) राधा वर्मा, डॉ. ए. राजशेखर
डॉ. यूलेन्द्र कुमार राजपूत, डॉ. पुष्पेश पाण्डेय
कु. कविता भारती, श्री भूपेन्द्र साहू, श्री उदय रावले
श्री नरेश यादव, श्री अशोक देवांगन
डॉ. हरीश साहू, दिनेश तिवारी
आयोजन समिति सदस्य

कार्यक्रम विवरण

23.12.2017 शनिवार

पंजीयन : प्रात: 9:30 से 10:30
उद्घाटन सत्र : प्रात: 10:30 से 12:30
अध्यक्षता: डॉ. शिवकुमार पाण्डेय
कुलपति, र.शं.शु.वि.वि.
मुख्य वक्ता, डॉ. गोविन्द शर्मा
राष्ट्रीय अध्यक्ष विद्या भारती
भोजन अवकाश- 12:30 से 2:00
प्रथम तकनीकि सत्र 2:00 से 3:30
अध्यक्षता : डॉ. नरेन्द्र दीक्षित
कुलपति, दुर्ग विश्वविद्यालय, दुर्ग
चाय अवकाश- 3:30 से 4:00
द्वितीय तकनीकि सत्र- 4:00 से 5:30
अध्यक्षता : डॉ. गौरीदत्त शर्मा
कुलपति,बिलासपुर वि.वि., बिलासपुर

24.12.2017 रविवार

तृतीय तकनीकि सत्र- 10:30 से 12:30
अध्यक्षता : डॉ. माण्डवी सिंह
कुलपति, इंदिरा कला संगीत वि.वि., खैरागढ़
भोजन अवकाश- 12:30 से 2:00
चतुर्थ तकनीकि सत्र- 2:00 से 3:30
अध्यक्षता : डॉ.मानसिंह परमार
कुलपति, कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता वि.वि., रायपुर
चाय अवकाश- 3:30 से 4:00 बजे तक
समापन समारोह- 4:00 से 5:30 बजे तक
अध्यक्षता : डॉ. मुकेश कुमार वर्मा
कुलपति ,स्वामी विवेकानंद तकनीकि वि.वि., भिलाई
मुख्य अतिथि : डॉ. वंशगोपाल सिंह
कुलपति , पं.सुंदरलाल शर्मा मुक्त वि.वि. बिलासपुर

वर्तमान परिवेश में राष्ट्रीयता: आवश्यकता एवं चुनौतियाँ

राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी

23,24 दिसम्बर 2017

सबसे पहले भारत

स्थल
प्रेक्षा गृह
पं. रविशंकर शुक्ल वि.विद्यालय रायपुर

आयोजक
सरस्वती शिक्षा संस्थान छत्तीसगढ़ प्रांत एवं
प्राचीन भारतीय इतिहास,संस्कृति एवं
पुरातत्व अध्ययनशाला
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर

वर्तमान परिवेश में राष्ट्रीयता: आवश्यकता एवं चुनौतियाँ

राष्ट्रवाद एक आध्यात्मिक भावना है, जिसका उद्भव एवं विकास धर्म, संस्कृति, साहित्य, प्रजाति, इतिहास, परंपरा एवं आर्थिक तथा राजनैतिक भावों की पृष्ठभूमि में होता है । जिसकी अभिव्यक्ति अथर्ववेद के मंत्र ' माता भूमि: पुत्रो अहं पृथिव्या ' से होती है, जिसके अनुसार प्रत्येक व्यक्ति के सामने पृथ्वीपुत्र होने का आदर्श है । यही भाव स्थानीयता, राष्ट्रीयता और वैश्विकता के परस्पर पूरक आयाम हैं।

प्राचीन काल से ही भारत में राष्ट्रीयता का भाव बाह्य रूप से अनेक सांस्कृतिक विविधताओं को समाहित करते हुए आंतरिक रूप में एक होने के समभाव में समाहित रहा है, जिसकी प्रबल वेग की अभिव्यक्ति अनेक रूपों में मिलता है, किन्तु मध्यकाल एवं ब्रिटिश काल में राष्ट्रीयता की गति मंद हो गई थी, इसका पुनर्जागरण स्वतंत्रता आंदोलन के समय आर्य-समाज, ब्रह्म-समाज, रामकृष्ण मिशन एवं अनेक आध्यात्मिक एवं राजनैतिक आंदोलनों के रूप में हुआ।

वर्तमान समय में राष्ट्रीयता की भावना को जागृत करने का कार्य अनेक विश्वविद्यालयों तथा आध्यात्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं द्वारा किया जा रहा है । इसी कड़ी में विद्या भारती द्वारा विगत पाँच दशकों से अपने राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली के माध्यम से राष्ट्रीयता की भावना को सरस्वती शिशु मंदिरों के द्वारा जन-जन तक पहुँचाने में अहम भूमिका का निर्वाह कर रहा है । उपर्युक्त संदर्भ में आयोजित यह दो दिवसीय विद्वत संगोष्ठी एक प्रकाश स्तम्भ सिद्ध होगा ।

शोध आलेख आमंत्रण

निर्धारित विषय एवं निम्नलिखित उप-विषयों में शोध आलेख 30 नवंबर 2017 तक भेजना आवश्यक है । शोध आलेख हिन्दी भाषा में ही स्वीकार किए जाएंगे, जो 2000 से 3000 शब्दों का हो तथा शोध सारांश 300 शब्दों में होना चाहिए, जो कृतिदेव 11 वर्ड फाइल में नीचे दिये गए पता एवं ई-मेल पर भेजें।शोध आलेख प्रेषित करने हेतु

पता : सरस्वती शिक्षा संस्थान, रोहिणी पुरम, रायपुर

ई-मेल : vidvatparishadcgr@gmail.com

विद्वत संगोष्ठी के उप-विषय

1. भारत के सामाजिक-आर्थिक विकास में राष्ट्रीयता की भूमिका
2. राष्ट्रीयता एवं शिक्षा नीति की भूमिका
3. स्वदेशी एवं राष्ट्रीयता
4. राष्ट्रीयता की शिक्षा में परिवार एवं समाज की भूमिका
5. विद्यालयिन / महाविद्यालयिन पाठ्यक्रम में राष्ट्रीयता
6. सांस्कृतिक विरासत में राष्ट्रीयता

संरक्षक मंडल :

1. श्री बद्रीनाथ केशरवानी
   अध्यक्ष, विद्या भारती छ.ग.
2. श्री जुड़ावन सिंह ठाकुर
   सचिव विद्या भारती छ.ग.
3. डॉ. टोपलाल वर्मा
   प्राध्यापक, शासकीय छ.ग. महाविद्यालय, रायपुर

पंजीयन प्रपत्र

नाम _____

पदनाम/कार्य _____

पता _____

_____

ई-मेल _____

मोबाईल नं. _____

शोध आलेख का शीर्षक _____

_____

शोध आलेख पढ़ेंगे- हाँ ☐ नहीं ☐

आवास की सुविधा- हाँ ☐ नहीं ☐

हस्ताक्षर

पंजीयन शुल्क

प्राध्यापकों एवं गणमान्य व्यक्ति	- 500.00
विद्यालयीन शिक्षकों /शोध छात्र एवं छात्रा	- 300.00

अकाउण्ट क्रमांक	-	10071057143
बैंक	-	स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया
ब्रांच	-	जी.सी.ई.टी.रायपुर
आई.एफ.एस.सी.कोड	-	SBIN0002852

नोट : पंजीयन शुल्क नगद अथवा बैंक द्वारा लिया जाएगा।

सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र, भोजन, स्वल्पाहार की सुविधा प्राप्त होगी तथा बाहर के प्रतिभागियों हेतु आवास की व्यवस्था होगी।